प्रदर्शन रीठी स्टेशन में ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, 45 दिनों में मांगों पर होगा निर्णय

आश्वासन मिलने पर ग्रामीणों ने रोका आंदोलन

नवभारत, रीठी। कटनी जिले के रीठी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की स्टॉपेज की मांग को लेकर सोमवार को काफी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी, व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा आम नागरिक अपनी मांगों को लेकर एकत्रित हुए। आंदोलन की सूचना मिलते ही प्रशासन और रेलवे विभाग के अधिकारी सक्रिय हुए। जबलपुर जोन कार्यालय से पहुंचे अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से चर्चा की और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने कहा कि 45 दिनों के भीतर मांगों पर विचार कर उचित निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने फिलहाल रेल रोको कार्यक्रम स्थगित करने पर सहमति जताई। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यदि निर्धारित अवधि में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में और व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि आंदोलन पूरी तरह जनता आधारित दिखाई दिया। क्षेत्र के नागरिक अपनी मूलभूत रेल सुविधाओं के लिए स्वयं संघर्ष करते नजर आए। आश्चर्यजनक रूप से आंदोलन स्थल पर न तो सत्ताधारी दल के प्रमुख जनप्रतिनिधि दिखाई दिए और न ही विपक्षी दल कांग्रेस के बड़े नेता सक्रिय भूमिका में नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के समय क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का वादा करने वाले जनप्रतिनिधि जनता की वास्तविक जरूरतों के समय कहीं दिखाई नहीं देते। रेलवे जैसी महत्वपूर्ण सुविधा के लिए जब जनता स्वयं सड़कों और रेलवे ट्रैक तक पहुंचने को मजबूर हो रही है, तब जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति लोगों को निराश कर रही है। आंदोलन में शामिल कई नागरिकों ने खुलकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधि आगे नहीं आते हैं तो आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मतदाताओं को अपने विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना होगा। कुछ लोगों ने मतदान बहिष्कार जैसे विकल्पों पर चर्चा की बात भी कही। हालांकि यह भावना कितनी व्यापक है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा, लेकिन जनता के बीच असंतोष का स्तर निश्चित रूप से बढ़ता दिखाई दे रहा है। रीठी रेलवे स्टेशन केवल एक स्टेशन नहीं बल्कि आसपास के अनेक गांवों और कस्बों की आवाजाही का प्रमुख केंद्र है। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और व्यापार से जुड़े हजारों लोग प्रतिदिन रेलवे सेवाओं पर निर्भर हैं। ऐसे में पर्याप्त रेल सुविधाओं का अभाव क्षेत्र के विकास में बाधा बन रहा है। अब पूरे क्षेत्र की निगाहें रेलवे प्रशासन पर टिकी हैं। रेलवे अधिकारियों ने 45 दिन का समय मांगा है और जनता ने भी संयम का परिचय देते हुए उन्हें अवसर दिया है। आने वाले डेढ़ महीने में रेलवे द्वारा लिया जाने वाला निर्णय यह तय करेगा कि क्षेत्रवासियों का भरोसा कायम रहता है या फिर आंदोलन का स्वर और अधिक मुखर होता है।

फिलहाल रीठी की जनता ने अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए एकजुटता का परिचय दिया है। यह आंदोलन इस बात का संकेत है कि यदि विकास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों की लगातार अनदेखी की जाएगी तो जनता स्वयं आगे आकर अपनी आवाज बुलंद करेगी। अब देखना यह है कि रेलवे प्रशासन 45 दिनों के भीतर क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पाता है।

कट्टा लहराने वाले बदमाश को पुलिस ने दबोचा

दो साथी आरोपियों को भी पकड़ा, कट्टा, कारतूस जब्त

नवभारत, कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत स्टेशन चौराहे स्थित शराब दुकान पर कट्टा लहराकर कर्मचारी को धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात कुछ युवक शराब दुकान पहुंचे थे, जहां उन्होंने शराब दुकान कर्मचारी पर कट्टा अड़ाते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान हथियार लहराने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी गांधी गंज निवासी गोलू पिता विजय सक्सेना सहित रंगनाथ थाना क्षेत्र निवासी जानू उर्फ महेंद्र पिता छोटेलाल चौहान, रंगनाथ थाना क्षेत्र निवासी अंशुल पिता राजेश भारती को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी गोलू सक्सेना के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। वहीं अन्य दो आरोपियों के कब्जे से धारदार चाकू जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब दुकान कर्मचारी और मुख्य आरोपी के बीच पहले से विवाद चल रहा था। कोतवाली पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार के साथ डराने-धमकाने जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा। गौरतलब है कि इस घटना के बाद से शहर में दहशत व्याप्त थी, शहर में लगातार बढ़ रहे अपराधों से आम आदमी में चिंता का महौल बना हुआ है।

एक नजर में

बहोरीबंद के युवा का अग्निवीर में हुआ चयन

नवभारत, बहोरीबंद। जिले के बहोरीबंद निवासी राजेश पटेल के पुत्र निखिल पटेल का अग्नि वीर में चयन हुआ जिसमें गांव के लोगों ने बड़ी धूमधाम से उसकी जॉइनिंग के लिए रवाना किया। युवाओं में उत्साह देखने को मिला और उन्हें गर्व था कि बहोरीबंद में पहली बार कोई लड़का देश की रक्षा के लिए आर्मी में भर्ती होने जा रहा है। बहोरीबंद के सभी लोगों में हर्ष व्याप्त है और सभी ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

संजय कुशवाहा बने एबीवीपी के जिला संयोजक

नवभारत, कटनी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत के प्रांत अभ्यास वर्ग रीवा में संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा करते हुए युवा कार्यकर्ता संजय कुशवाहा को अभाविप कटनी का जिला संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। संजय कुशवाहा लंबे समय से एबीवीपी में सक्रिय हैं।

युवक को सांप ने काटा, झाड़-फूंक के चक्कर में हुई मौत

झाड़ फूंक की वजह से इलाज में हुई देरी बनी मौत कारण

नवभारत, कटनी। जिले के रीठी थाना क्षेत्र में युवक को सांप ने काट लिया, लेकिन घरवाले उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने तांत्रिक के पास पहुंच गए। सही समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण 40 साल के बहादुर सिंह की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम सूखा के रहने वाले 40 वर्षीय बहादुर सिंह पिता इमारत सिंह अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान सांप ने उन्हें काट लिया। सांप के काटते ही बहादुर सिंह की आंख खुल गई और उन्होंने घरवालों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पूरे घर में हड़कंप मच गया। सांप काटने के बाद जहां मरीज को तत्काल डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए था, वहीं परिजन अंधविश्वास के चक्कर में पड़ गए। पीड़ित को लेकर खजरी गांव में एक तांत्रिक के पास झाड़-फूंक कराने पहुंच गए। इस गलत फैसले की वजह से कीमती समय बर्बाद हो गया और जहर शरीर में फैलता रहा। वहां काफी देर तक तांत्रिक झाड़-फूंक का ढोंग करता रहा। जब जहर के असर से बहादुर सिंह की हालत बुरी तरह बिगड़ने लगी और वह बेसुध होने लगा, तब रात तांत्रिक ने अपने हाथ खड़े कर दिए और उन्हें अस्पताल ले जाने को कहा। जिला अस्पताल में सोमवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है।

योग को अपनी दिनचर्या में अपनाएं छात्र, स्वास्थ्य के प्रति रहे सजग

सीएमआई मॉडल स्कूल में योग दिवस पर हुआ आयोजन

नवभारत, उमरियापान। जिले के उमरियापान स्थित सीएफआई मॉडल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रेरणादायी योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है, किंतु इस वर्ष 21 जून रविवार होने के कारण विद्यालय परिवार द्वारा 20 जून को ही योग दिवस का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अंजली जैकब के निर्देशन और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ । कार्यक्रम की शुरुआत योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई । विद्यार्थियों को बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्म-अनुशासन, एकाग्रता तथा सकारात्मक जीवन दृष्टि प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है। विद्यालय के खेल शिक्षक प्रमुख पियूष मार्टिन ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए योग के विभिन्न आसनों का क्रमबद्ध प्रदर्शन किया । उन्होंने एक-एक करके सभी 12 प्रमुख योगासनों की सही विधि और उनके लाभों को समझाया। छात्रों ने अनुशासन के साथ सभी योगासनों का अभ्यास किया। स्कूल के सभी शिक्षकों ने छात्रों के साथ योगा अभ्यास किए और योग के महत्व की जानकारी प्राप्त की। साथ ही प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति और एकाग्रता का अनुभव किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती अंजली जैकब ने कहा कि वर्तमान समय में योग स्वस्थ जीवन का आधार बन गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग करने, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक योगाभ्यास एवं स्वास्थ्य जागरूकता संदेश के साथ हुआ ।

नशे की लत से प्रभावित होता है मानसिक और शरीरिक स्वास्थ्य

नशामुक्ति भारत अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

नवभारत, उमरियापान। जिले के उमरियापान शासकीय महाविद्यालय में नशामुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला और संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में छात्रों को नशामुक्त जीवन अपनाने, स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया । कार्यक्रम में डॉ. ईश्वरदीन चौधरी ने कहा कि नशा अनेक गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है । उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ-साथ पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट और सामाजिक विघटन का भी कारण बनती है । उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, स्वयं जागरूक बनने तथा दूसरों को भी इसके प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया । राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ अभिलाषा चौरसिया ने कहा कि नशा आज मानसिक तनाव, अवसाद और अपराध जैसी समस्याओं को बढ़ावा दे रहा है । उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का नशे की ओर बढ़ता कदम सिर्फ उसके जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर देता है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच, योग, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों को अपनाकर नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया और समाज में जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प भी दोहराया । संगोष्ठी में नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

रात दो बजे पहुंची संयुक्त टीम, रोका बाल विवाह

प्रशासन की मुस्तैदी और सजगता से रूका बाल विवाह

नवभारत, कटनी। जिले के कटनी विकासखण्ड के ग्राम जरवाही में बीते रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे होने जा रहे बाल विवाह को कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा गठित महिला और बाल विकास, राजस्व, पुलिस विभाग की संयुक्त कोर टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए रोक दिया। बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर प्राप्त हुई थी की, ग्राम जरवाही में एक 17 वर्षीय बालिका का बाल विवाह हो रहा है, इस पर मुस्तैद जिला प्रशासन की सतर्कता और तत्काल कार्रवाई से इसे रुकवाया गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन से सूचना प्राप्त होते ही महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति कटनी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम में सम्मिलित श्री मनीष तिवारी, बाल संरक्षण अधिकारी, कटनी, योगेश बघेल, अध्यक्ष, दुर्गेश शर्मा, सदस्य, बाल कल्याण समिति, संजय दुबे, थाना प्रभारी, माधव नगर द्वारा मौके पर पहुंच कर पाया गया कि बालिका के विवाह की तैयारी की जा रही थी।

संयुक्त टीम द्वारा बालिका के आयु सम्बन्धी दस्तावेजों की जांच की गई। बालिका के जन्म प्रमाण पत्र अनुसार उसकी आयु 17 वर्ष पाई गई। जो विवाह की वैधानिक आयु से कम थी।

जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बालिका के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने परिजनों को बताया कि विवाह के लिए बालिका की वैधानिक आयु 18 वर्ष है। इससे कम आयु में होने वाला विवाह बाल विवाह कहलाता है और यह कानूनन अपराध है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा परिजनों को समझाइश और परामर्श दिए जाने के बाद परिजनों ने सहमति व्यक्त की कि वे अब बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही करेंगे।

इस तरह कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की टीम की तत्काल कार्रवाई बाल विवाह को रोका गया।

इससे पहले भी संयुक्त टीम ने ढीमरखेड़ा क्षेत्र में बाल विवाह को मौके पर जाकर रोका था, वहां पर नाबालिग युवती का विवाह कराया जा रहा था, संयुक्त टीम द्वारा न सिर्फ बाल विवाह रोके जा रहे हैं, बल्कि उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है कि बाल विवाह नहीं कराएं, बाल विवाह होने से युवती को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है, साथ ही बाल विवाह अपराध भी है, ऐसा कराए जाने पर कानून के अनुसार कार्रवाई भी की जाती है, लिहाजा बाल विवाह नहीं कराएं, नहीं कानूनी कार्रवाई फंस सकते हैं।

गुम हुए मोबाइल को पुलिस ने खोजकर बुजुर्ग को लौटाया, मिली सराहना

ढीमरखेड़ा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

नवभारत, ढीमरखेड़ा। जिले के ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग का गुमा हुआ मोबाइल खोजकर उन्हें वापस किया है। पुलिस की इस तत्काल कार्रवाई की सराहना की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिन्ना पिपरिया गांव निवासी राकेश तिवारी द्वारा सूचना दी गई कि उनके पिता सुरेश तिवारी किसी कार्य से कुमार मोहल्ला गए थे, जहां उनका वीवो कंपनी का मोबाइल फोन कहीं गुम हो गया। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी द्वारा मोबाइल की तलाश के लिए एएसआई विजेंद्र कुमार तिवारी, प्रधान आरक्षक शुभचन्न यादव और आरक्षक अमित शुक्ला को लगाया गया। पुलिस टीम ने ग्राम जिन्ना पिपरिया के प्रजापति मोहल्ला सहित विभिन्न स्थानों पर बारीकी से पूछताछ की। इसी दौरान ग्राम निवासी हेमंतलाल कुम्हार ने पुलिस को बताया कि उन्हें उक्त मोबाइल मिला था, वे उसके वास्तविक मालिक की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस द्वारा मौके पर राकेश तिवारी को बुलाकर मोबाइल की पहचान कराई गई। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर मोबाइल उन्हें सुपुर्द किया गया। मोबाइल मिलने की खुशी में राकेश तिवारी ने पुलिस की उपस्थिति में हेमंतलाल कुम्हार को 400 रूपए नगद पारितोषिक दिया गया है। ढीमरखेड़ा पुलिस की तत्काल और प्रभावी कार्रवाई से गुम हुआ मोबाइल मिलने पर ग्राम जिन्ना पिपरिया के नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुलिस की सराहना की। कार्रवाइ में ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी, एएसआई विजेंद्र कुमार तिवारी, प्रधान आरक्षक शुभचन्न यादव, आरक्षक अमित शुक्ला की भूमिका रही। पूरी कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और मार्गदर्शन में की गई।

किसानों के खाते में भेजी गई सम्मान निधि की राशि

नवभारत, कटनी। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के 1 लाख 67 हजार 29 किसानों के खातों में योजना की 23वीं किश्त के रूप में कुल 33 करोड़ 40 लाख 58 हजार रुपये की राशि का अंतरण किया। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2 हजार रूपए की किश्त प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री द्वारा 23वीं किस्त के तौर पर विजयराघवगढ़ तहसील के 28,551 किसानों को 5 करोड़ 71 लाख 2 हजार रुपए सहित जिले के अन्य तहसील के किसानों के खाते में राशि भेजी है।

परेशानी कई घंटो तक नेटवर्क बंद रहे, संचार और इंटरनेट सेवाएं प्रभावित, उपभोक्ताओं ने उठाए सवाल

दिन भर ठप रहीं जियो की सेवाएं, पिछले एक महीने से परेशान हो रहे हैं उपभोक्ता

नवभारत, बाकल। जिले के बहोरीबंद विकासखंड अंतर्गत बाकल क्षेत्र में जियो नेटवर्क की खराब सेवाओं को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्र के उपभोक्ताओं का आरोप है कि पिछले लगभग एक माह से जियो की मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं लगातार बाधित हो रही हैं, जिससे लोगों को दैनिक कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को भी कई घंटों तक जियो का नेटवर्क पूरी तरह से बंद रहा, जिसके कारण हजारों उपभोक्ता कॉलिंग और इंटरनेट सुविधाओं से वंचित रहे।स्थानीय नागरिकों के अनुसार नेटवर्क समस्या के चलते न केवल मोबाइल पर बातचीत प्रभावित हो रही है, बल्कि ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग सेवाएं, शासकीय कार्य, विद्यार्थियों की पढ़ाई और व्यवसायिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संचार के सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, वहां नेटवर्क बाधित होने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि कंपनी द्वारा 5जी सेवाओं के विस्तार का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर 4जी नेटवर्क भी सुचारू रूप से कार्य नहीं कर पा रहा है। कई स्थानों पर इंटरनेट की गति अत्यंत धीमी है, जबकि अनेक क्षेत्रों में नेटवर्क पूरी तरह गायब हो जाता है। इससे उपभोक्ताओं में असंतोष व्याप्त है। नेटवर्क समस्या से परेशान उपभोक्ताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपनी शिकायतें दर्ज कराई हैं। कई लोगों ने दूरसंचार विभाग एवं कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करते हुए क्षेत्र में नेटवर्क व्यवस्था सुधारने की मांग की है। उपभोक्ताओं का कहना है कि नियमित रूप से शुल्क भुगतान करने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सेवाएं नहीं मिल रही हैं। जियो सहित अन्य दूरसंचार कंपनियों की रिचार्ज योजनाओं को लेकर भी उपभोक्ताओं ने नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि कंपनियां एक माह का शुल्क लेने के बावजूद केवल 28 दिनों की वैधता प्रदान कर रही हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस व्यवस्था के कारण उन्हें वर्ष में 12 के बजाय 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने बताया कि पहले की तुलना में रिचार्ज योजनाओं के दाम भी बढ़ गए हैं। वर्तमान में सामान्य उपयोगकर्ताओं को भी 349 रुपये या उससे अधिक के रिचार्ज कराने पड़ रहे हैं, जबकि सेवाओं की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। क्षेत्रवासियों ने दूरसंचार विभाग और संबंधित कंपनी से शीघ्र तकनीकी सुधार कर नेटवर्क सेवाएं बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि डिजिटल युग में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं लोगों की बुनियादी जरूरत बन चुकी हैं, ऐसे में लंबे समय तक नेटवर्क बाधित रहना उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन है।